

प्रथम आदर्श उत्तर

प्राश्निक कोड क्र. 10/2378

पृष्ठ क्र. — 01

प्रश्न / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद परम्परा गान विषय कोड 1011 माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
01	आदर्श उत्तर— (क) मन्त्राः । (ख) 117 । (ग) त्रयोदश ध्याये । (घ) नमस्तस्मै रुद्र । (ङ) आनकच्यमे । (च) नवतिः ।	1×6=6
02	(क) चत्वारः । (ख) द्विमन्त्राः । (ग) रुद्रसूक्तमन्त्राः । (घ) नैवेद्यस्य मन्त्राः । (ङ) ऊँ चत्वारश्च्यमे । (च) सारस्वती आवाहनमन्त्राः ।	1×6=6
03	(क) व्याकरणम् । (ख) फलस्य मन्त्राः । (ग) ऋग्मावाहनमन्त्राः । (घ) नन्दावाहनमन्त्राः । (ङ) बुधश्रद्धावाहनमन्त्राः । (च) इन्द्रावाहनमन्त्राः ।	1×6=6
	हस्ताक्षर	

प्राश्निक कोड क्र. 10/23+8

पृष्ठ क्र.— ०२

प्रश्न-मन्त्र / आदर्श उत्तर ✓

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय : वेद पञ्चम्या गान विषय कोड : 1011 माध्यम : ११३२

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा.

पूर्णांक . . . १०० . . .

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
04	1 × 7 = 7
05	1 × 7 = 7
06	2
07	2

प्राश्निक कोड क्र. 10/2378

पृष्ठ क्र.— 03

प्रश्न पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद परम्परागत विषय कोड . 1011. माध्यम संस्कृत

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा

पूर्णांक . 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
	आदर्श उत्तर -	
08	ये तीर्था निष्पचरन्ति स्मृता हस्ता निषङ्गिणी । तेषां सहस्रं योजने वधन्वा नितन्ना मसि ॥	2
09	माध्यन्दिनं शाखा- यदुर्वेदस्यास्ति ।	2
10	ऋक्षत्रययोनि रसि क्षत्रस्य नाभि रसि । मात्वा हि द्विः सीन्माभा हि द्वि सी ह ॥	2
11	अन्नापलेन स्य ।	2
12	आयं मन्त्रः अष्टादशाध्याये विहितः ।	2
13	वाजाय स्वाहा प्रसवाय स्वाहा पित्राय स्वाहा ।	2
14	वेदः । (क्षत्रस्य लेखनानुसारं मंत्रां कर्णीयम्)	2
15	संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् । विषयाणां समावेशाः सन्ति ।	2
16	आपो हिष्ठा मयौ भुवस्तानऽऊर्जे दधातन । महेरणाय चक्षसे । अथवा यो वः शिवतमो रसस्तस्य भाज यत्ने हनः । उशतीरिव मातरः ।	3

प्राश्निक कोड क्र. 10/2378

पृष्ठ क्र.— 04
प्रश्न-पत्र / आदर्श उत्तर

परीक्षा का नाम:—पूर्व मध्यमा / उत्तरमध्यमा, खण्ड-प्रथम / द्वितीय

विषय वेद परम्परा गान विषय कोड 1011 माध्यम 24-63-7

कुल प्रश्न

समय—3 घण्टा

पूर्णांक 100

निर्देश

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न के लिए अधिकतम अंक
17	3
18	3
19	3

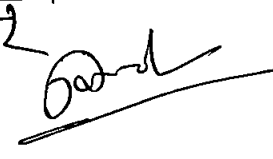
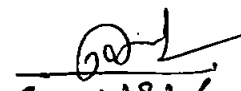
પ્રાશ્નિક કોડ:- 10/2378

ક્રમક્ર. 05

3-1-23-23-23-23

વિષય:- વેદ પરંપરાગત

વિષયકોડ 1011

પ્રશ્ન ક્રમાંક	3-1-23-23-23 -	પ્રશ્ન કે લિપિ અધિકરણ ક્રમાંક
20	પાવકાન્ત તે સરસ્વતી વવાતો અલ્પાગિની વલી યજ્ઞં વવલ્લુ ધિયા વસુ : । અ હ શુનાલે ^{અધવા} અ હ શુ : પુચ્ચત્તમ પરુષા પરુ : । ગાન્ધર્વો સોમમવલુ મયાથરલો ડઅચ્ચુત્ત : ॥	3
21	પંચસદત્યુત્તર અધિકં લકોન વિંશતિ શાલમ્ । ^{અધવા} (1975) ત્રહલ્વિજા : પુલ્વાર : અવન્તિ, હોના, અધ્વર્યુ : , ઉદગાતા, બ્રહ્મા ચ ।	3
22	દીર્ઘોત્તરીય પ્રશ્નાનાં મૂલ્યાંકન ધારાલય લેખનાનુસાર કરવાયમ્ 	4
23		4
24		4
25		4
26		4
27		5
28		5
	 દલ્પાદી (	ચોટા 100